B-II

L-23

Ancient history -

अशोक का धम्म

समाज
⇓
विभिन्न विचार/मत
⇓
आपसी प्रतिद्वंद्विता/संघर्ष
↓
एकता का अभाव
↓
शांति का अभाव
↓
सम्पन्नता का अभाव

→ समाधान → आचार-विचार का नियम
↓
पालन सभी को करना अनिवार्य
↓
एकता ↑
↓
शांति ↑
↓
सम्पन्नता

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

⇒ धम्म के प्रचार के लिए उपाय

1. धम्म यात्रा
   - 10 वें वर्ष गया
   - 20 वें वर्ष लुम्मिनदेई
   - 21 वें वर्ष निगालिसागर

2. धम्म दूत
   - ↳ महेन्द्र एवं संघमित्रा श्रीलंका गये
   - ↳ सोन एवं उत्तरा सुवर्ण भूमि गये (सुवर्ण भूमि → जावा, सुमात्रा, व इण्डोनेशिया)
   - ↳ मज्झान्तिक ⇒ कश्मीर व गांधार

⇒ धम्म अधिकारी

- धम्म महामात्त की नियुक्ति = 5 वां शिलालेख
- युक्त, रज्जुक व प्रादेशिक की नियुक्ति = 3rd अभिलेख

- धम्म के लिए तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन

युक्त अधिकारी < राज्य का लेखाकार
राजस्व एकत्रीकरण एवं भूमि प्रबंधन

रज्जुक → भूमि की माप करना

प्रादेशिक → जिला प्रशासन का मुखिया

⇒ अशोक के अभिलेख से जुड़ी अन्य सूचनाएं -

1. शहबाजगढ़ी और मानसेहरा = खरोष्ठी लिपि
2. तक्षशिला एवं लघमान = आरेमाइक लिपि
3. शेर-ए-कुना (लान्धार) = आरेमाइक + ग्रीक
4. लघु स्तम्भ लेख → जिन पर राजकीय घोषणायें अंकित हैं- सांची, रूमिनदेई

- अशोक के गुफा लेख धार्मिक सहिष्णुता के परिचायक हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ मौर्य प्रशासन

↓

विस्तार अथवा मौर्यकालीन राजधानियां

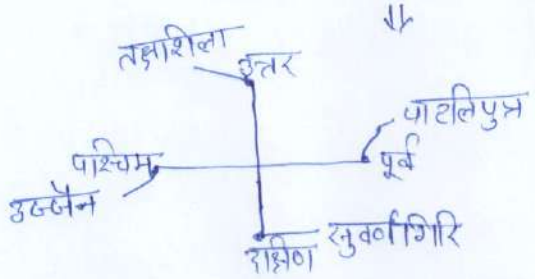

- पहली बार ऐतिहासिक रूप से राजनीतिक एकता स्थापित होती है।
- शासन का केन्द्रीयकरण → जिसका प्रमुख → राजा

↓

परन्तु

↓

राजा निरंकुश नहीं था

→ प्रशासन क्रम — राजा

↓

तीर्थ (18)

↓

विभागाध्यक्ष (27)

↓

महामात्य

↓

अमात्य

⇒ राजा के अत्यंत निकट शीर्ष चार व्यक्ति

1. पुरोहित
2. युवराज
3. मंत्री (सन्निधाता → कोषाध्यक्ष)
4. सेनापति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

⇒ कुल 18 तीर्थ

1- पुरोहित
2- युवराज
3- सेनापति
4. समाहर्ता (राजस्व एकत्रित)
5. सन्निधाता (कोषाध्यक्ष)
6- प्रदेष्टा (फौजदारी मामले)
7- कर्मान्तिक (कारखाने का मुखिया)
8- व्यावहारिक - दीवानी मामलों का न्यायाधीश
9. दुर्गपाल - दुर्ग की देखभाल
10 नागरक - नगर की देखभाल
11. आटविक - जंगल का अधिकारी
12. दण्डपाल - सेना के साजो सामान की रक्षा
13- नायक - युद्ध भूमि में सेना का नेतृत्व करने वाला
14- अन्तपाल - सीमा की सुरक्षा
15 - प्रशास्ता - सरकारी/राजकीय दस्तावेज रखने वाला
16 - अन्तर्वेशिक - राजा का अंग रक्षक
17 - दौवारिक - राजमहल का अधिकारी
18. मंत्रिपरिषदाध्यक्ष - मंत्रिपरिषद का मुखिया

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

⇒ विभागाध्यक्ष

- सीताध्यक्ष → सरकारी भूमि का अधिकारी
- पण्याध्यक्ष → व्यापार-वाणिज्य से संबंधित
- पौतवाध्यक्ष → माप-तौल का अधिकारी
- रूपाध्यक्ष / रूप दर्शक - मुद्रा निर्माण निरीक्षक
- अकाराध्यक्ष → खनन से संबंधित
- संस्थाध्यक्ष → बाजार का अध्यक्ष
- लक्षणाध्यक्ष → टकसाल विभाग का अध्यक्ष
- देवताध्यक्ष → धार्मिक मामले का अधिकारी
- गणिकाध्यक्ष → वेश्याओं के प्रमुख
- नवाध्यक्ष → नौसेना के अध्यक्ष
- मुद्राध्यक्ष → विदेश विभाग के अध्यक्ष / पासपोर्ट
- सूत्राध्यक्ष → कपड़ा उद्योग का प्रमुख
- महामात्रापसर्प - गुप्तचर विभाग का प्रमुख
- विविताध्यक्ष → चारागाह का प्रमुख

यूनानी स्रोतों में इन विभागाध्यक्षों को मजिस्ट्रेट कहा गया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

⇒ प्रशासनिक विभाजन

राज्य
↓
चक्र (प्रांत) ⇒ प्रांतपति / युवराज / गवर्नर / आर्यपुत्र
↓
मण्डल < प्रदेश (चन्द्रगुप्त मौर्य के समय)
प्रादेशिक (अशोक के समय)
↓
विषय ⇒ 16 गांव का समूह → विषयपति
↓
स्थापति ⇒ 800 " " " → स्थानपति
↓
द्रोणवाति ⇒ 400 " " "
↓
खार्वाटिक ⇒ 200 " " "
↓
संग्रहण ⇒ 100 " " "
↓
गांव → सबसे छोटी इकाई

* मेगास्थनीज < जिले का अधिकारी → एग्रोनोमोई
सड़क का अधिकारी → एस्टोनोमोई

⇒ ग्राम प्रशासन

→ ग्राम का अधिकारी / मुखिया → ग्रामणी
→ ग्रामणी का कार्यालय → गोप
⇒ ग्रामीण प्रशासन की जानकारी का स्रोत-
- सोहगौरा (गोरखपुर) अभिलेख → धन्नागार (ताम्रपत्र)
- महास्थान (बांग्लादेश) → पालागि नामक सिक्के का उल्लेख

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

* राशनिंग व्यवस्था की शुरूआत चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन काल में हुई।

⇒ राजस्व

① भूमि ⇒ भूमिकर (भू-राजस्व)

- वैयक्तिक भूमि ⇓ भू-राजस्व (कर) ⇒ भाग
- राजकीय भूमि ⇓ भू-राजस्व ⇒ सीता

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

2- प्रणय कर → आपातकालीन कर

3. पिण्ड कर → कई गांव को मिलाकर लिया जाने वाला कर

4. औपनायिक कर → उपहार कर

5- पार्श्व कर → अतिरिक्त लिया जाने वाला कर

6- सेतुकर → फल-फूल-सब्जियों पर लगने वाला कर

7- विवीता कर → चारागाह भूमि कर

8. हिरण्य कर ⇒ नकद में लिया जाने वाला कर

9- कौष्ठेयक कर → जलाशय की भूमि से लिया जाने वाला

10- रज्जु कर → जमीन की माप के लिए

11- प्रवेश्य कर → आयात कर

* ध्रुवाधिकरण → समाहर्ता (कर वसूली का सबसे बड़ा अधिकारी) के पहले का (दूसरा सबसे बड़ा)

⇒ गुप्तचर व्यवस्था → अधिकारी → महामात्यस्पर्श

↳ कौटिल्य द्वारा कहा गया → गूढ़ पुरुष

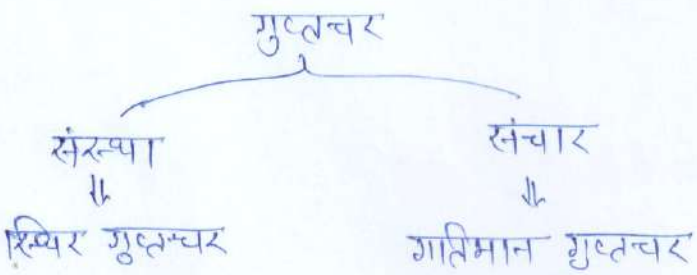

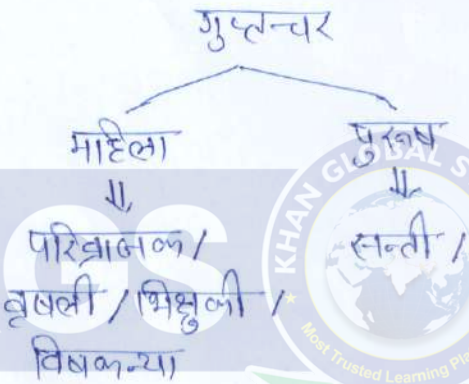

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ पुलिस → रक्षिन कहा जाता था

⇒ न्यायालय

↳ राजा सर्वोच्च न्यायाधीश होता था

धर्मस्थीय
↓
दीवानी मामले
(राजस्व)

कण्टकशोधन
↳ फौजदारी मामले
(आपराधिक)

↳ कौटिल्य के अनुसार 3 प्रकार के अर्थदण्ड

पूर्व
मध्यम
उत्तम/साहस (500 पण)

→ न्यायाधिकारी
- → नगर का → व्यावहारिक
- → जिले का → रज्जुक

⇒ **सैन्य व्यवस्था**

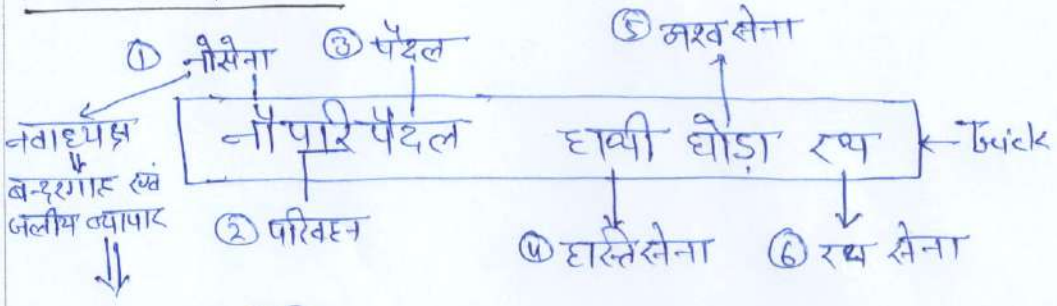

नौ पारि पैदल हाथी घोड़ा रथ ← Quick

1. नौसेना → नवाध्यक्ष ⇓ बन्दरगाह एवं जलीय व्यापार
2. परिवहन
3. पैदल
4. हस्तिसेना
5. अश्वसेना
6. रथ सेना

→ कुल समितिया – 6
→ प्रत्येक समिति में सदस्य – 5
कुल सदस्य = 30
} मेगास्थनीज द्वारा उल्लिखित

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Platform KHAN SIR

⇒ **अशोक का प्रशासनिक सुधार**

- अशोक ने स्त्रीअध्यक्ष महामात्र की नियुक्ति की ⇒ 12 वां शिलालेख
  ↳ स्त्रियों की देख-भाल तथा नैतिकता के लिए
- धम्म महामात्त की नियुक्ति की
- → वज्रभूमिक → जंगल व चारागाह आदि भूमि को देखने वाला अधिकारी
- → देवनामप्रिय की उपाधि धारण की
- पुरोहित का पद समाप्त कर परिषा नामक नए पद का सृजन किया
- → गोप, प्रादेशिक, रज्जुक, युक्त नामक नये अधिकारियों की नियुक्ति की
  ↳ (युक्त) राजस्व का लेखा-जोखा रखने वाला अधिकारी